

नाम :अनुक्रमांक

दिनांक

सूरदास

पठित पद्यांश (क)

उधौ,तुम हौ अति बड़भागी ।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनि पात रहत जल भीतर,ता रस देह न दागी।

ज़्यों जल माहँ तेल की गागरी ,बूंद न ताकौं लगी।

प्रीति -नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।

'सूरदास' 'अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी।

उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1 शब्दों के अर्थ बताइए:

बड़भागी-

पुरइनि-

अपरस-

बोरयौ-

2 प्रस्तुत पद्यांश में गोपियाँ किसे संबोधित कर रही हैं और क्यों ?

.....

.....

3 उद्धव के विचार गोपियों के विचारों से कैसे अलग हैं ?

.....

.....

4 गोपियाँ अपनी बात सिद्ध करने के लिए क्या- क्या तर्क देती हैं ?

.....

.....

.....

.....

5 'कमल के पते' तथा 'तेल की गागर' में क्या समानता है ,गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना इनसे क्यों की है ?

.....

.....

.....

6 उपर्युक्त गद्यांश में किस भाषा का प्रयोग किया गया है?

.....

7 -पद के सामने निहित अलंकारों का नाम लिखिए :

प्रीति नदी-

चाँटी ज्यों पागी-

पुरइनि पात-

1 हालदार साहब किसकी मूर्ति के बारे में सोच रहे थे?

.....

2 'दिल्ली चलो ' और तुम मुझे खून दो नारे किसने और कब दिए ?

.....

.....

3 हालदार साहब को मूर्ति के बारे में क्या विचित्र लगता था ?

.....

.....

4 हालदार साहब को कस्बे के नागरिकों का प्रयास सराहनीय क्यों लगा?

.....

.....

5 हालदार साहब को कौन सा आइडिया बहुत अच्छा लगा ?

.....

.....

कार्य पत्रक			
व्याकरण			
नाम	कक्षा	अनुक्रमिक	दिनांक
वाक्य			
रचना के आधार पर वाक्य श्रेय :			
(क)रचना स्थानों की पूर्ति कीजिए:			
1 शब्दों के सार्थक समूह को कहते हैं ।			
2 वाक्य के अंग होते हैं ।			
3 रचना के आधार पर वाक्य के श्रेय होते हैं ।			
(ख)निम्नलिखित वाक्यों को पद्यानुवृत्त पदों के श्रेय के नाम लिखिए ।			
1 आकाश दोस्तों के साथ पड़ रहा है ।			
2 मैंने एक व्यक्ति देखा जो बहुत पतला था ।.....			
3 तुम मेरी दुश्मन जानते हो ।			
4 पेसे देखते ही लुटन की आँखों में चमक आ गई ।			
5 पहले एक राजा को फिर दूसरा करना ।			
6 आप यही इच्छा रखें ।			
7अप्यापिक के कक्षा में प्रवेश करते ही विद्यार्थी घुप हो गए ।			
(ग) निदेशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए :			
1 मेहनत करने पर ही सफलता मिलती है ।(निश्च वाक्य)			
.....			
2 मैं व्यस्त था इसलिए मिलने नहीं आ सका (सरल वाक्य)			